भगवान शिव जी की आरती,

कर्पूरगौरं करुणावतारं,
संसारसारं भुजगेन्द्रहारं,
सदा वसन्तं ह्रदयाविन्दे,
भव भवानी सहितं नमामि।

जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा,
ब्रम्हा विष्णु सदाशिव अद्धांगी धारा।।
ॐ जय शिव ओंकारा

एकानन चतुरानन पंचांनन राजे,
हंसासंन, गरुड़ासन, वृषवाहन साजे।।
ॐ जय शिव ओंकारा

दो भुज चारु चतुर्भज दसभुज अति सोहें,
तीनों रुप निरखता त्रिभुवन जन मोहें।।
ॐ जय शिव ओंकारा

अक्षमाला, बनमाला, रुण्ड़मालाधारी,
चंदन, मृदमग सोहें, भाले शशिधारी।।
ॐ जय शिव ओंकारा

श्वेताम्बर, पीताम्बर, बाघाम्बर अंगें,
सनकादिक, ब्रम्हादिक, भूतादिक संगें।।
ॐ जय शिव ओंकारा

कर के मध्य कमड़ंल चक्र त्रिशूल धरता,
जगकर्ता, जगभर्ता, जगसंहारकर्ता।।
ॐ जय शिव ओंकारा

ब्रम्हा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका,
प्रवणाक्षर मध्यें ये तीनों एका।।
ॐ जय शिव ओंकारा

काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रम्हचारी,
नित उठी भोग लगावत महिमा अति भारी।।
ॐ जय शिव ओंकारा

त्रिगुण शिवजी की आरती जो कोई नर गावें,
कहत शिवानंद स्वामी मनवांछित फल पावें।।
ॐ जय शिव ओंकारा..

जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा,
ब्रम्हा विष्णु सदाशिव अद्धांगी धारा।।
ॐ जय शिव ओंकारा
भगवान शिव जी की आरती,

Source: https://www.bharattemples.com/bhagwan-shiv-ji-ki-aarti-in-hindi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw